News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

13 अप्रैल, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के महिला अध्ययन केंद्र के तत्वावधान में बुधवार 13 अप्रैल 2022 को दोपहर 2:00 बजे सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी सह कार्यशाला एवं महिला नेतृत्व सम्मान का आयोजन किया गया है। समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी जी, महापौर, प्रयागराज एवं विशिष्ट अतिथि प्रो0 हरिकेश सिंह जी, पूर्व कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार एवं सारस्वत अतिथि रेलवे के पूर्व अधिकारी श्री उपेंद्र कुमार सिंह रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

मॉ सरस्वती की चित्र पर अंगवस्त एवं दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ करती हुई मुख्य अतिथि श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी जी तथा साथ में माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं अतिथिगण।

विश्वविद्यालय आगमन पर पुष्पगुच्छ भेंट
कर मुख्य अतिथि
श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी जी ,
विशिष्ट अतिथि
प्रो0 हरिकेश सिंह जी,
सारस्वत अतिथि
श्री उपेंद्र कुमार सिंह
एवं
माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी
का स्वागत करते हुए कुलसचिव
प्रो0 पी.पी. दुबे एवं निदेशक मानविकी
विद्याशाखा
प्रो0 सत्यपाल तिवारी

फीता खोलकर
हस्तशिल्प प्रदर्शनी
का
शुभारम्भ करती हुई
मुख्य अतिथि
श्रीमती अभिलाषा गुप्ता
नंदी जी ,
विशिष्ट अतिथि
प्रो0 हरिकेश सिंह जी,
सारस्वत अतिथि
श्री उपेंद्र कुमार सिंह
एवं माननीया कुलपति
प्रो0 सीमा सिंह जी

हस्तशिल्प प्रदर्शनी

हस्तशिल्प प्रदर्शनी

विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत प्रयागराज के 5 गांवों जैतवारडीह, गोहरी, मातादीन का पूरा, टीएसएल चांडी, नैनी तथा बारी, सोरांव से अनेक महिलाएं स्वनिर्मित घरेलू हस्तशिल्प सामग्रियों जैसे सिलाई, कढ़ाई युक्त नमूने, पांवदान, गुलदान, डलिया, झूमर, पंखे आदि तथा पाककला संबंधी सामग्री अचार, पापड़, मठरी, नमकीन आदि के स्टाल लगाकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रस्तुतीकरण करती हुई।

हस्तशिल्प प्रदर्शनी

विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत प्रयागराज के 5 गांवों जैतवारडीह, गोहरी, मातादीन का पूरा, टीएसएल चांडी, नैनी तथा बारी, सोरांव से अनेक महिलाएं स्वनिर्मित घरेलू हस्तशिल्प सामग्रियों जैसे सिलाई, कढ़ाई युक्त नमूने, पांवदान, गुलदान, डलिया, झूमर, पंखे आदि तथा पाककला संबंधी सामग्री अचार, पापड़, मठरी, नमकीन आदि के स्टाल लगाकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रस्तुतीकरण करती हुई।

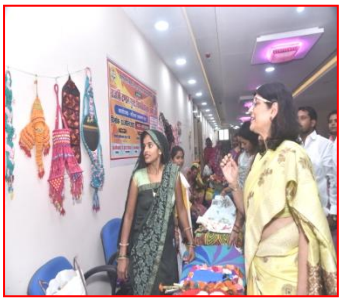

हस्तशिल्प प्रदर्शनी को देखते हुए मा0 अतिथिगण

हस्तशिल्प प्रदर्शनी

हस्तशिल्प प्रदर्शनी को देखते हुए मा० अतिथिगण

लोकगीत प्रस्तुत करती ग्रामीण महिलायें एवं उपस्थित मा० अतिथिगण

कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ0 साधना श्रीवास्तव तथा मंचासीन मा0 अतिथि

मा0 मुख्य अतिथि श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करती हुई महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने किया। संचालन डॉ साधना श्रीवास्तव इन धन्यवाद ज्ञापन डॉ अतुल कुमार मिश्रा ने किया। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं ने लोकगीत की प्रस्तुति की। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं अन्य लोगों ने ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी में महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को क्रय करके उनका उत्साहवर्धन किया।

मा0 मुख्य अतिथि श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी जी को अंगवस्त्र एवं स्मृचिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर हरिकेश सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करती हुई डॉ0 श्रुति

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर हरिकेश सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृचिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

सारस्वत अतिथि श्री उपेंद्र कुमार सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करती हुई डॉ0 मीरा पाल

सारस्वत अतिथि श्री उपेंद्र कुमार सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृचिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करती हुई महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई

विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृचिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई मा0 मुख्य अतिथि श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी जी

कुलसचिव प्रो0 पी.पी. दुबेजी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करती हुई डॉ0 दीप्ती श्रीवास्तव

अतिथियों का स्वागत करती हुई महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई तथा मंचासीन मा० अतिथिगण।

विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ० अतुल कुमार मिश्रा तथा मंचासीन मा० अतिथिगण।

श्री उपेंद्र कुमार सिंह जी

सारस्वत अतिथि रेलवे के पूर्व अधिकारी श्री उपेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय ने जिस तरह ग्रामीण महिलाओं को उचित स्थान दिया है, वह अत्यंत सराहनीय है।

ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ाव महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में एक सफल प्रयास हैः प्रो0 सिंह

प्रोफेसर हरिकेश सिंह

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, बिहार ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का केंद्र होने के कारण इस विश्वविद्यालय क पास बहुत सारे नए प्रयोगों के अवसर हैं।

छोटे–छोटे क्रेडिट कोर्स के कार्यक्रम संचालित कर ऐसे लोगों को विश्वविद्यालय की औपचारिक शिक्षा प्रणाली से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ाव महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में एक सफल प्रयास है।

बेटियों को पढ़ाएं और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करें– महापौर

श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बुधवार को ग्रामीण हस्तशिल्प प्रदर्शनी सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी ने कहा कि महिलाएं आजकल हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहीं हैं। महिलाएं प्रबंधन में सक्षम होती हैं और हर चुनौती का सामना करने की क्षमता रखती है। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि महिलाएं बेटियों को पढ़ाएं और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करें। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का हुनर निखारने का जो प्रयास कर रहा है, वह सराहनीय है। महिलाएं इस क्षेत्र में सरकार की योजनाओं का लाभ उठा सकती हैं। महापौर ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर उन्हें बधाई दी।

इस अवसर पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में निहालिका प्रथम, श्रीद शुक्ला द्वितीय तथा रोशनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता की 20 प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी ने सम्मानित किया । मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी एवं कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने इस अवसर पर महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई, सह समन्वयक डॉ श्रुति एवं डॉ मीरा पाल, सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव तथा चित्रकला प्रतियोगिता की मूल्यांकनकर्ता ममता श्रीवास्तव एवं पूजा कुमारी को सम्मानित किया।

चित्रकला प्रतियोगिता की प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए माननीय अतिथि

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई, सह समन्वयक डॉ श्रुति एवं डॉ मीरा पाल, सहायक समन्वयक डॉ साधना श्रीवास्तव तथा चित्रकला प्रतियोगिता की मूल्यांकनकर्ता ममता श्रीवास्तव एवं पूजा कुमारी को सम्मानित करते हुए माननीय अतिथि

महिला अध्ययन केंद्र के सदस्य डॉ0 अतुल मिश्र, डॉ0 शिवेन्द्र सिंह एवं श्री राजेश गौतम को सम्मानित करते हुए माननीय अतिथि

विश्वविद्यालय ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में प्रयासरत है : कुलपति

मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में प्रयासरत है। इसी कड़ी में आगामी जुलाई माह से कौशल विकास पर आधारित 3 माह का कार्यक्रम शुरू होगा, जिसमें केवल प्रायोगिक परीक्षा ली जाएगी। जिसके उपरांत प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

प्रोफेसर सीमा सिंह ने कुलपति के रूप में कार्यकाल का 1 वर्ष पूर्ण होने पर कहा कि उनकी इच्छा है कि इस विश्वविद्यालय का नाम रोशन हो और यहां के छात्र, शिक्षक, अधिकारी अपने को गौरवान्वित महसूस कर सकें।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ0 अतुल मिश्र,

राष्ट्रगान

स्टाल लगाकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रस्तुतीकरण करने वाली ग्रामीण महिलाओं को सम्मानित करती हुई मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी।